Unique paper Code: 52051122 SET-A

Name of the Course : B.Com (Prog.)

Name of the Paper : Hindi B

Semester : I

समय : 3 घंटे पूरणंक : 75

आव्शयक निद्रेश :

1. उत्तर के पूववप्रन्शंों को अ्चछी तरह से समझिे कणप्रयणसकरंे|
2. छह प्रन्शंों में से कक्नहंी **चणर** प्रन्शंों के उत्तर दें|
3. प्रतयेक प्रन्श 18.75 अंक कणहोगण |

1. छणयणवणद की प्रमुख नवशेतणंओकणवि कीनिए ।
2. ' अुर्र यह मधुमय देंश हमणरण' कनवतण कणप्रनतपणद्य स्पट्ष कीनिए ।
3. तुलसीद्रणसद्वणरण रनचत ' केवट प्रसंग ' श्री रणम की उद्रणरतण कणसुंद्रर उद्रणहर्ण है – स्पट्ष कीनिए ।
4. भणरतेन्द्रयुग की प्रवृनतयंों कणवि कीनिए ।
5. निन्मनलनखत प्रसंग की सर्पसंग व्यणखयण कीनिए :

क्सतूरी कुंडल बसै, मृग ढूढें बि मणहहं
ऐसे घटट – घटट रणम हैं, दुनियण देंखे िणहहं

सणत समुनर की मसि करं , लेखिी सब बिरणय
धरती सब कणग्रद्रकरंो, हटर गिु नलखणि िणइ।

अथवण

बतरस लणलच लणल की , मुरली धरी लुकणय
संौहकरे भंौहि हंसे दें कहे िटटिणय।
यण अिुरणगी नचत्त की गनत समुझे िहहंकोई
ज्यंो-ज्यंो बूड़े स्याम रंगो त्यंो-त्यंो उज्जलु हयइ ।

6. तू ि थकेगण कभी
तू ि रुकेगण कभी
तू ि मुड़ेगण कभी
कर शपथ , कर शपथ , कर शपथ
अनिपथ , अनिपथ , अनिपथ ।

StudentSuvidha.com
downloaded from

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

अथवण

इ्नर निनम िभ पर बणड़वज्यंोसुअंभ पर ,
रणवि सद्रंभ पर , रघुकुल रणि हैं।
पिौ बणटरबणह्वर , संभु रनतिणह पर,
ज्यंोसहर्सबणहपर रणम- नव्दिरणि हैं।।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com